

दृक्सिद्धं निरयणञ्च चित्रापक्षीयमुत्तमम् । “विद्यापीठस्य पञ्चाङ्गम्” भूमौ विजयतेतराम्॥

ISSN 2229-3450



दृक्सिद्ध निरयण भारतीय



राजा-शनि

विक्रम संवत्-२०७६
शक-संवत्-१९४९



मन्त्री-सूर्य

भागणराज्य-संवत् ७२-७३
ईशवीय-सन् २०१९-२०२०

विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग

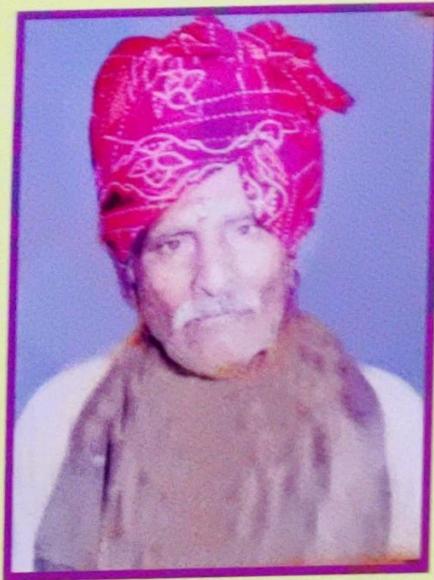
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ
(मानित-विश्वविद्यालय)

बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षोत्र, नई दिल्ली - ११००१६

वर्ष : ३७

संवत्सर - परिधावी

मूल्य रु. ५०/-



पञ्चाङ्ग-प्रवर्तक
स्व. म.म.पं. कल्याणदत्त शर्मा
“राष्ट्रपति-सम्मानित”

1. प्रो. विनोद कुमार शर्मा ‘आचार्य एवं ज्योतिषविभागाध्यक्ष’
3. प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा ‘आचार्य, ज्योतिष-विभाग’
5. डॉ. सुशील कुमार ‘सह आचार्य, ज्योतिष-विभाग’
7. डॉ. रशिम चतुर्वेदी ‘सह आचार्य, ज्योतिष-विभाग’

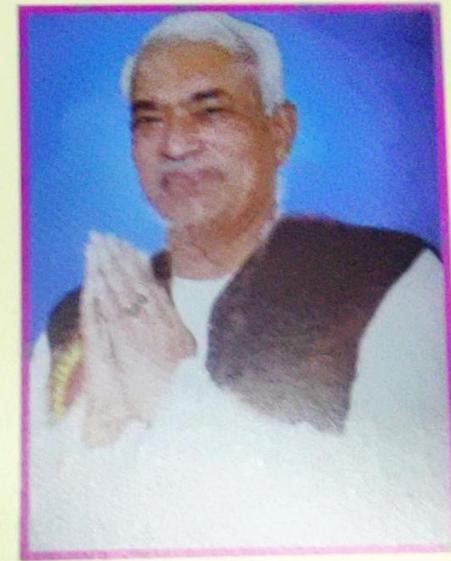
प्रधान-सम्पादक
प्रो० रमेश कुमार पाण्डेय
कुलपति

सम्पादक :

प्रो. प्रेमकुमार शर्मा
आचार्य, ज्योतिष-विभाग
प्रमुख, वेदवेदाङ्गसंकाय

प्रो. बिहारीलाल शर्मा
आचार्य, ज्योतिष-विभाग

सम्पादक मण्डल



प्रेरणास्रोत
स्व. प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी
“राष्ट्रपति-सम्मानित”

2. प्रो. नीलम ठोला ‘आचार्या, ज्योतिष-विभाग’
4. प्रो. परमानन्द भारद्वाज ‘आचार्य, ज्योतिष-विभाग’
6. डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी ‘सह आचार्य, ज्योतिष-विभाग’

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

(मानित-विश्वविद्यालय)

बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-११० ०१६

विद्यापीठ पञ्चाङ्ग

◆ विषय-सूची ◆

◆ विक्रम संवत् २०७५ ◆

संक्षिप्त-परिचय	
विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग की विषय सूची	
ज्योत्स्नादि फल	
नि की साड़ेसाती व ढैख्या का फल	
व्य-व्यय खोधक चक्र	
द्वादश राशियों का मासिक फल	
संवत् २०७६ के व्रत-पर्व एवं उत्सव	
संवत् २०७६ के वर्गीकृत व्रत-पर्वों की सूची	४६-४७
के राशि एवं नक्षत्रचार विठ० सं.-२०७६ ४८-४९	
के वक्रत्व-मार्गत्व एवं उदयास्त	५०
र्धसिद्धि-गुरुपुष्टि-रविपुष्टि-त्रिपुष्टि-कर-अमृतसिद्धि, सिद्धियोग	
अमृतयोग	
२०७६ दैनिक राहुकाल सारिणी	
-चर-वेलान्तर-स्पष्टान्तर सारिणी	
संवत् २०७६ के ग्रहण का विवरण	
व्रत-पर्व निर्णय विठ० संवत् २०७५	
२०७६ के माझ़ालिक मुहूर्तों का विवरण	७३
२०७६ के विवाहादि मुहूर्त	७४-८५
-मूलादि जन्म विचार	८६
म-संवत् २०७६ का पञ्चाङ्ग	८७-११०
संवत् २०७६ के दैनिक स्पष्ट ग्रह	१११-१२२
लग्न सारिणी	१२३-१२९
वर्षां-चक्र	१३०-१३१
वंशोत्तरीदर्शा सारिणी	१३२
वंशोत्तरी-दशान्तर्दर्शा-चक्र	१३३

१	नवीन-प्राचीन वर्ष-प्रवेश सारिणी	१३४	चन्द्रवास, योगिनीवास, दिक्षागृह, नक्षत्र-गृह,
२-३	मुहादशा, योगिनीमुहादशा, त्रिराशिपति-चक्र	१३४	लग्न-विचार व यात्रा प्रस्थान-विचार १३३-१३३
४	वर्षफल निर्माण-विधि	१३५	राहुमुखज्ञान, गृहारप्ति विचार १३३
५-१३	लग्नसारिणी अक्षांश	१३६-१४१	चौघडिया मुहूर्त-चक्र १३३
१४-१६	दशमलग्नसारिणी	१४२	चैत्रादि पासानुसार गृहारप्ति फल, वत्स-चक्र, कुआं खोदने या नल लगाने का मुहूर्त १३४
१७	ग्रहमैत्री-चक्र, सिद्धयादियोग-चक्र, अन्याक्षादिसंज्ञा, शिववास	१४३	द्वारस्थापन विचार, जीर्ण-नूतन गृह प्रवेश-
१८-३४	विविध मुहूर्तों का विचार	१४४	मुहूर्त, कुम्भ-चक्र व दूकान (विपणि) मुहूर्त १३५-१३६
३५-४५	गर्भाधान, पुंसवन-सीमन्त, स्तनपान का मुहूर्त	१४४	व्यापार प्रारम्भ, नौकरी, मुकदमा, पश्चिनती, पशुक्रय, मन्दिर निर्माण व
४०	जलपूजन जातकर्म-नामकरण, निष्क्रमण तथा भूमि पर प्रथमोपवेशन का मुहूर्त-विचार	१४५-१४६	जलाशयारामसुरप्रतिष्ठा मुहूर्त १३६
४१-५८	अन्नप्राशन, कण्विध तथा मुण्डन संस्कार का विचार	१४३	ग्रहों के दान समय, जपसंख्या, जपनीय-चुल्लिचक्र विचार, हल प्रवहण मुहूर्त, बीजवपन मुहूर्त, राहु नक्षत्र से बीजोप्ति चक्र, औषधसेवन मुहूर्त, वाहन आरोहण मुहूर्त १३८
५१-६२	नासिकाछेदन, अक्षरारम्भ, विद्यारम्भमुहूर्त का विचार	१४७	मन्त्र एवं हवन-समिधा ज्ञानार्थ-चक्र १३८
६३-६६	उपनयन, विवाह-संस्कार का विचार	१५८	भारत के प्रमुख नगरों के पलभा, अक्षांश, रेखांश एवं देशान्तर १६९-१७०
६७-६९	वर-कन्या का जन्मपत्रिका मेलापक, दुष्टभकूट, गणकूट, ग्रहकूट का परिहार	१४९	लग्नसाधन के लिए पलभा से चरखण्ड तथा स्वदेशीय उदयमान बनाने की विधि १७०
७०-७२	नाड़ी-गणदोष का परिहार, वरवरण, कन्या-वरण का मुहूर्त एवं विवाह मुहूर्तोपयोगी त्रिवलशुद्धि	१५०	लघुरित्य सारिणी १७१-१७२
७३	वधूप्रवेश तथा द्विरागमन-मुहूर्त का विचार	१५१	अभीष्ट स्थान के सूर्योदय तथा इष्टकाल बनाने की विधि १७३-१७४
७४-८५	जन्माक्षर-चक्र	१५२-१५४	विभिन्न अंगों पर पल्ली (छिपकली/किरल)
८६	मेलापक-सारिणी	१५५-१५८	गिरने का फल एवं उपचार, छींक विचार १७५
८७-११०	मंगलीदोष-विचार, मंगलीदोष-परिहार	१५९	जन्मकुण्डली एवं वर्ष कुण्डली में द्वादशभावस्थसूर्यादि ग्रहों का फल १७६
१११-१२२	विवाहादि कार्यों में सूर्य, चन्द्र व गुरु का अष्टक-वर्ग, यात्रा मुहूर्त विचार	१६०	

दृक्सिद्धं निरयणञ्च चित्रापक्षीयमुत्तमम् । “विद्यापीठस्य पञ्चाङ्गम्” भूमौ विजयते

ISSN 2229



दृक्सिद्ध निरयण भारतीय



राजा-बुध

विक्रम संवत्-२०७७
शक-संवत्-१९४२



मन्त्री-चन्द्र

भागणराज्य-संवत् ७३-
ईशवीय-सन् २०२०-२०

विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ
(मानित-विश्वविद्यालय)

बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली - ११००१६

वर्ष : ३८

संवत्सर - प्रमादी

मूल्य रु.



पञ्चाङ्ग-प्रवर्तक
स्व. म.म.पं. कल्याणदत्त शर्मा
“राष्ट्रपति-सम्मानित”

1. प्रो. विनोद कुमार शर्मा ‘आचार्य एवं ज्योतिषविभागाध्यक्ष’
3. प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा ‘आचार्य, ज्योतिष-विभाग’
5. डॉ. सुशील कुमार ‘सह आचार्य, ज्योतिष-विभाग’
7. डॉ. रशिम चतुर्वेदी ‘सह आचार्य, ज्योतिष-विभाग’

प्रधान-सम्पादक
प्रो० रमेश कुमार पाण्डेय
कुलपति

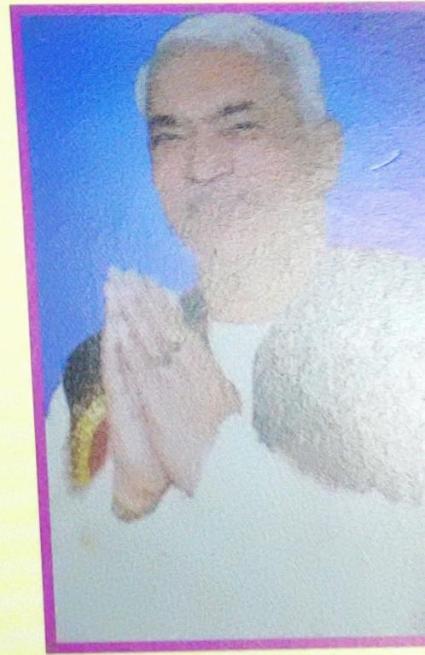
सम्पादक :

प्रो. प्रेमकुमार शर्मा
आचार्य, ज्योतिष-विभाग
प्रमुख, वेदवेदाङ्गसंकाय

प्रो. बिहारीलाल शर्मा
आचार्य, ज्योतिष-विभाग

सम्पादक मण्डल

2. प्रो. नीलम ठ्गोला ‘आचार्या, ज्योतिष-विभाग’
4. प्रो. परमानन्द भारद्वाज ‘आचार्य, ज्योतिष-विभाग’
6. डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी ‘सह आचार्य, ज्योतिष-विभाग’



प्रेरणास्रोत
स्व. प्रो. शुकदेव च
“राष्ट्रपति-सम्मानित”

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

(मानित-विश्वविद्यालय)

बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-११० ०१६

◆ विषय-सूची ◆

◆ विद्यापीठ पञ्चाङ्ग ◆

संक्षिप्त-परिचय	१	नवीन-प्राचीन वर्ष-प्रवेश सारिणी	१४२	चन्द्रवास, योगिनीवास, दिक्षूल, नक्षत्र-शूल,
प्रस्तावना	२-३	मुद्रादशा, योगिनीमुद्रादशा, त्रिराशिपति-चक्र	१४३	लग्न-विचार व यात्रा प्रस्थान-विचार १६९-१७०
विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग की विषय सूची	४	वर्षफल निर्माण-विधि	१४४-१४५	राहुमुखज्ञान,
संवत्सरादि फल	५-१३	लग्नसारिणी अक्षांश	१४०	गृहारम्भ विचार, चौथड़िया मुहूर्त-चक्र
शनि की साढ़ेसाती व दैव्या का फल	१४-१६	दशमलग्नसारिणी	१४१	चैत्रादि प्रासानुसार गृहारम्भ फल, वत्स-चक्र,
आय-व्यय बोधक चक्र	१७	ग्रहपैत्री-चक्र, सिद्धयादियोग-चक्र,	१४२	कुर्मा खोदने वा नल लगाने का मुहूर्त १७२
मेषादि द्वादश राशियों का मासिक फल	१८-३७	अन्याक्षादिसंज्ञा, शिववास	१४३	द्वारस्त्वापन विचार, जीर्ण-नूतन गृह प्रवेश-
विं० संवत् २०७७ के व्रत-पर्व एवं उत्सव	३८-४७	विविध मुहूर्तों का विचार	१४४	मुहूर्त, कुम्भ-चक्र व दूक्षान (विपणि) मुहूर्त १७३
विं० संवत् २०७७ के वर्गीकृत व्रत-पर्वों की सूची	४८-४९	गर्भाधान, पुंसवन-सीपन, स्तनपान	१४५	व्यापार प्रारम्भ, नौकरी, पुक्कदमा, पश्चीनरी,
ग्रहों के राशि एवं नक्षत्रव्यापार विं० सं.-२०७७	५०-५१	का मुहूर्त	१४६	पशुक्रय, मन्दिर निर्माण व
ग्रहों के वक्रत्व-पार्श्वत्व एवं उदयास्त	५२	जलपूजन जातकर्म-नामकरण, निष्ठमण तथा	१४७	जलाशायाराममुरप्रतिष्ठा मुहूर्त
सर्वार्थसिद्धि-गुरुपूष्य-रविपूष्य-त्रिपुष्कर	५३-६१	भूमि पर प्रथमोपवेशन का मुहूर्त-विचार	१४८	जपनीय-चुल्लिचक्र विचार, हल प्रवहण मुहूर्त,
द्विपुष्कर-अमृतसिद्धि, सिद्धियोग,	६२-६५	अनप्राप्तान, कर्णविघ्न तथा मुण्डन संस्कार	१४९	बीजवपन मुहूर्त, राहु नक्षत्र से बीजोप्ति चक्र,
अमृतयोग एवं रवियोग	६६-६९	का विचार	१५०	ग्रहों के दान समय, जपसंख्या,
वि.सं. २०७७ दैनिक राहुकाल सारिणी	७०-७१	नासिकाछेदन, अक्षरारम्भ, विद्यारम्भमुहूर्त	१५१	औषधसेवन मुहूर्त, वाहन आरोहण मुहूर्त १७४-१
क्रांति-चर-वेलान्तर-स्पष्टान्तर सारिणी	७२-७६	का विचार	१५२	पत्र एवं हवन-समिधा ज्ञानार्थ-चक्र
वि० संवत् २०७७ के ग्रहण का विवरण	७७	उपनयन, विवाह-संस्कार का विचार	१५३	भारत के प्रमुख नगरों के पलभा, अक्षांश,
संदिग्ध व्रत-पर्व निर्णय विं० संवत् २०७७	७८-८१	वर-कन्या का जन्मपत्रिका मेलापक, दुष्टभकूट,	१५४	रेखांश एवं देशान्तर १७५-
वि.सं. २०७७ के माझलिक मुहूर्तों का विवरण	८२	गणकूट, ग्रहकूट का परिहार	१५५	लग्नसाधन के लिए पलभा से चरखण्ड तथा
वि.सं. २०७७ के विवाहादि मुहूर्त	८३-८९	नाड़ी-गणदोष का परिहार, वरवरण, कन्या-वरण	१५६	स्वदेशीय उदयमान बनाने की विधि
गण्ड-मूलादि जन्म विचार	९०	का मुहूर्त एवं विवाह मुहूर्तोंपर्योगी त्रिवलशुद्धि	१५७	लघुरित्य सारिणी १७७-
विक्रम-संवत् २०७७ का पञ्चाङ्ग	९१-११६	वथ्यप्रवेश तथा द्विरागपन-मुहूर्त का विचार	१५८	अभीष्ट स्थान के सूर्योदय तथा इष्टकाल बनाने
वि० संवत् २०७७ के दैनिक स्पष्ट ग्रह	११७-१३०	जन्माक्षर-चक्र	१५९	की विधि १८१-
दैनिक लग्न सारिणी	१३१-१३७	मेलापक-सारिणी	१६०-१६२	विभिन्न अंगों पर पल्ली (छिपकली/किरल)
पद्मवर्ग-चक्र	१३८-१३९	मंगलीदोष-विचार, मंगलीदोष-परिहार	१६३-१६६	गिरने का फल एवं उपचार, छोंक विचार
विंशोन्तरीदशा सारिणी	१४०	विवाहादि कार्यों में सूर्य, चन्द्र व गुरु	१६७	जन्मकुण्डली एवं वर्ष कुण्डली में
विंशोन्तरी-दण्डनार्दण-चक्र	१४१	का अष्टक-वर्ग, यात्रा मुहूर्त विचार	१६८	द्वादशभावस्यमूर्यादि ग्रहों का फल

◆ विक्रम संवत् २०७७ ◆

दृक्सिद्धं निरयणञ्च चित्रापक्षीयमुत्तमम् । “विद्यापीठस्य पञ्चाङ्गम्” भूमौ विजयतेराम्॥

ISSN 2229-3450



दृक्सिद्ध निरयण भारतीय



राजा-मंगल

विक्रम संवत्-२०७८
शक-संवत्-१९४३



मन्त्री-मंगल

भारतगणराज्य-संवत् ७४-७५
ईशावीय-सन् २०२१-२०२२

विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय-विश्वविद्यालय)

बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली - ११००१६

वर्ष : ३९

संवत्सर - राक्षस

मूल्य रु. ५०/-



प्रधान-सचिव
दू. राज्यालय-विद्यालय
“राष्ट्रपति-विद्यालय”

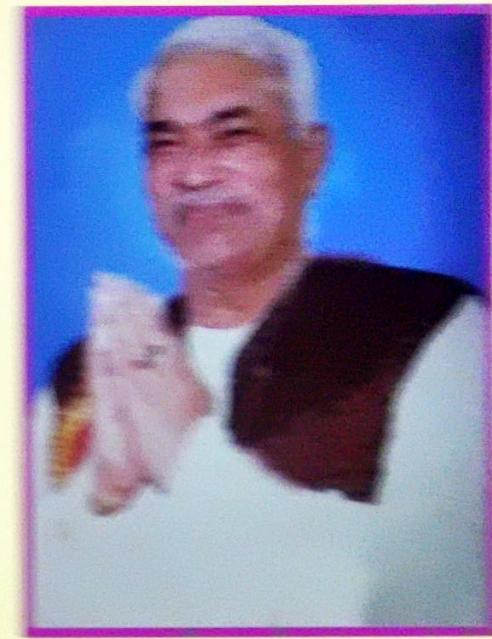
प्रधान-सचिव
ग्रो. रमेश कुमार पाण्डेय
राष्ट्रपति

सचिवक : -

ग्रो. डेवलकुमार शर्मा
अध्यार्थ, व्योतीक-विभाग
प्रमुख, विद्यालय-कार्यालय

ग्रो. विहारीलाल शर्मा
अध्यार्थ, व्योतीक-विभाग

सचिवक समिति



प्रधानसभा
ग्रो. बी. के. सिंह
“राष्ट्रपति-विद्यालय”

1. ग्रो. विकोट कुमार शर्मा “अध्यार्थ व्योतीक-विभाग”
2. ग्रो. दिव्याकर दत्त शर्मा “अध्यार्थ, व्योतीक-विभाग”
3. डॉ. रुद्धील कुमार “अध्यार्थ, व्योतीक-विभाग”
4. डॉ. रमेश चतुर्वेदी “अध्यार्थ, व्योतीक-विभाग”

2. ग्रो. बीलक लोला “अध्यार्थ, व्योतीक-विभाग”
4. ग्रो. यशवन्त आरदाय “अध्यार्थ, व्योतीक-विभाग”
6. श्रौत श्रीनिवास धैर्य “अध्यार्थ, व्योतीक-विभाग”

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(विद्यार्थ-विद्यालय)

गो-4, कुतुब चांडीगढ़ क्रौंक, नई दिल्ली-११० ००६

दृक्सिद्धं निरयणञ्च चित्रापक्षीयमुत्तमम् । “विद्यापीठस्य पञ्चाङ्गम्” भूमौ विजयतेराम्॥

ISSN 2229-3450



दृक्सिद्ध निरयण भारतीय



राजा-शनि

विक्रम संवत्-२०७९
शक-संवत्-१९४४



मन्त्री-गुरु

भागणराज्य-संवत् ७५-७६
ईशवीय-सन् २०२२-२०२३

विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग

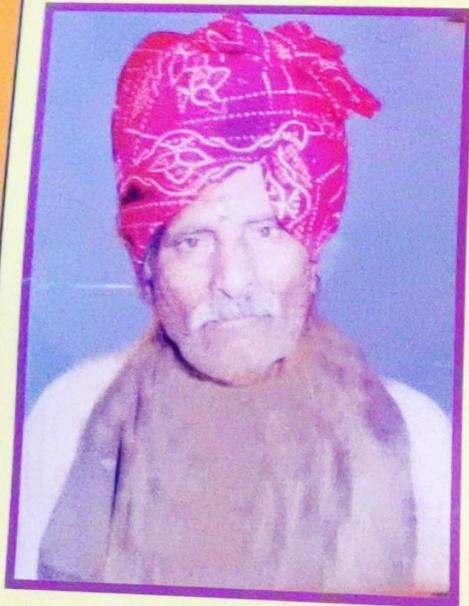
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय-विश्वविद्यालय)

बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली - ११००१६

वर्ष : ४०

संवत्सर - नल

मूल्य रु. ५०/-



पञ्चाङ्ग-प्रवर्तक
स्व. म.म.पं. कल्याणदत्त शर्मा
“राष्ट्रपति-सम्मानित”

1. प्रो. विनोद कुमार शर्मा ‘आचार्य एवं ज्योतिष विभाग’
3. प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा ‘आचार्य, ज्योतिष-विभाग’
5. डॉ. सुशील कुमार ‘सह आचार्य, ज्योतिष-विभाग’
7. डॉ. रशिम चतुर्वेदी ‘सह आचार्य, ज्योतिष-विभाग’

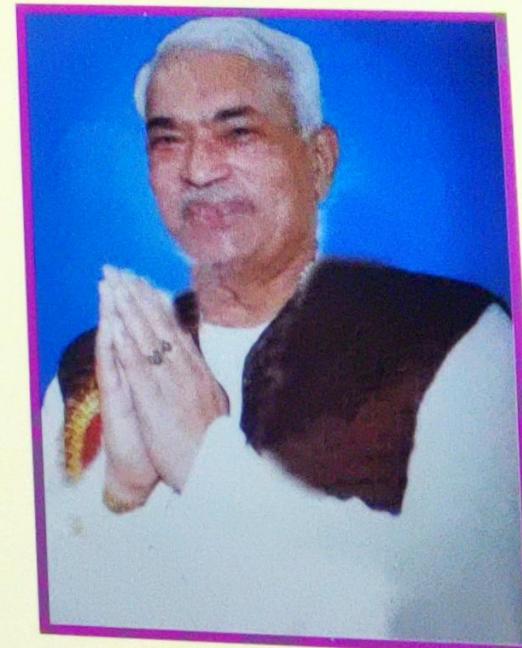
प्रधान-सम्पादक
प्रो. मुख्लीमनोहर पाठक
कुलपति

सम्पादक :
प्रो. प्रेमकुमार शर्मा
आचार्य, ज्योतिष-विभाग

प्रो. बिहारीलाल शर्मा
आचार्य, ज्योतिष-विभाग

सम्पादक मण्डल

2. प्रो. नीलम ठोला ‘आचार्य एवं अध्यक्ष ज्योतिष विभाग’
4. प्रो. परमानन्द भारद्वाज ‘आचार्य, ज्योतिष-विभाग’
6. डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी ‘सह आचार्य, ज्योतिष-विभाग’



प्रेरणास्रोत
स्व. प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी
“राष्ट्रपति-सम्मानित”

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय-विश्वविद्यालय)

बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110 016

दृक्सिद्धं निरयणञ्च चित्रापक्षीयमुत्तमम् । “विद्यापीठस्य पञ्चाङ्गम्” भूमौ विजयतेतराम्॥

ISSN 2229-3450



दृक्सिद्ध निरयण भारतीय



राजा-बुध

विक्रम संवत्-२०८०
शक-संवत्-१९४५



मन्त्री-शुक्र

भागणराज्य-संवत् ७६-७७
ईशावीय-सन् २०२३-२०२४

विद्यापीठ - पञ्चाङ्ग

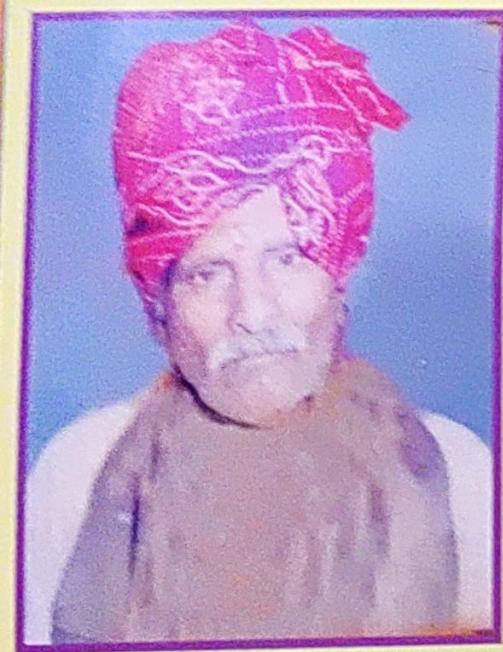
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय-विश्वविद्यालय)

बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली - ११००१६

वर्ष : ४९

संवत्सर - पिङ्गल

मूल्य रु. ५०/-



पञ्चाङ्ग-प्रवर्तक
स्व. म.म.पं. कल्याणदत्त शर्मा
“राष्ट्रपति-सम्मानित”

प्रधान-सम्पादक
प्रो. मुरलीमनोहर पाठक
कुलपति

सम्पादक :

प्रो. प्रेमकुमार शर्मा
आचार्य, ज्योतिष-विभाग

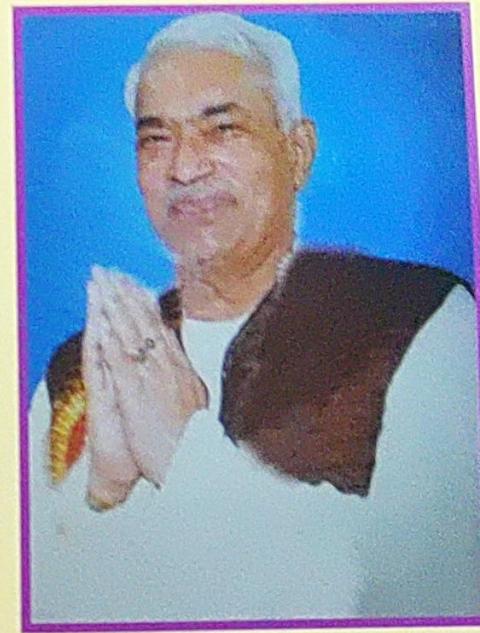
प्रो. बिहारीलाल शर्मा
आचार्य, ज्योतिष-विभाग

प्रो. नीलम ठोला
आचार्या, एवं ज्योतिषविभागाध्यक्षा

सम्पादक मण्डल

1. प्रो. विनोद कुमार शर्मा आचार्य, ज्योतिष-विभाग
3. प्रो. परमानन्द भारद्वाज आचार्य, ज्योतिष-विभाग
5. डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी सह आचार्य, ज्योतिष-विभाग

2. प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा आचार्य, ज्योतिष-विभाग
4. डॉ. सुशील कुमार सह आचार्य, ज्योतिष-विभाग
6. डॉ. रशिम चतुर्वेदी सह आचार्या, ज्योतिष-विभाग



प्रेरणास्रोत
स्व. प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी
“राष्ट्रपति-सम्मानित”

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय-विश्वविद्यालय)

बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110 016

♦ विद्यापीठ पञ्चाङ्ग ♦

संक्षिप्त-परिचय	१
प्रस्तावना	२-३
विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग की विषय सूची	४
संवत्सरादि फल	५-१२
शनि की सादेसाती व दैव्या का फल	१३-१५
आय-व्यय बोधक चक्र	१६
मेषादि द्वादश राशियों का मासिक फल	१७-३४
विं संवत् २०८० के व्रत-पर्व एवं उत्सव	३३-४२
विं सं. २०८० के वर्गीकृत व्रत-पर्वों की सूची	४३-४४
ग्रहों के राशि एवं नक्षत्रचार वि. सं.-२०८०	४५-४६
ग्रहों के वक्रत्व-मार्गत्व एवं उदयास्त	४७
सर्वार्थसिद्धि-गुरुपृष्ठ-रविपृष्ठ-त्रिपृष्ठक द्विपृष्ठक, सिद्धियोग, अमृतयोग एवं रवियोग	५०-५६
वि. सं. २०८० दैनिक राहुकाल सारिणी	५७-६१
क्रौंति-चर-बेलान्तर-स्पष्टान्तर सारिणी	६२-६५
वि० संवत् २०८० के ग्रहण का विवरण	६६-६८
संदिग्ध व्रत-पर्व निर्णय वि० संवत् २०८०	६९-७४
वि. सं. २०८० के माझलिक मुहूर्तों का विवरण	७५
वि. सं. २०८० के विवाहादि मुहूर्त	७६-८१
गण्ड-मूलादि जन्म विचार	९०
विक्रम-संवत् २०८० का पञ्चाङ्ग	९१-११६
वि० संवत् २०८० के दैनिक स्पष्ट ग्रह	११७-१३०
दैनिक लग्न सारिणी	१३१-१३७
षड्वर्ग-चक्र	१३८-१३९
विंशोत्तरीदशा सारिणी	१४०

♦ विषय-सूची ♦

विंशोत्तरी-दशान्तर्दशा-चक्र	१४१
नवीन-प्राचीन वर्ष-प्रवेश सारिणी	१४२
मुहादशा, योगिनीमुहादशा, त्रिराशिपति-चक्र	१४२
वर्षफल निर्माण-विधि	१४३
लग्नसारिणी अक्षांश	१४४-१४९
दशमलग्नसारिणी	१५०
ग्रहमैत्री-चक्र, सिद्ध्यादियोग-चक्र	१५१
अन्याक्षादिसंज्ञा, शिववास	१५१
विविध मुहूर्तों का विचार	१५२
गर्भाधान, पुंसवन-सीमन्त, स्तनपान का मुहूर्त	१५२
जलपूजन, जातकर्म-नामकरण, निष्क्रमण तथा भूमि पर प्रथमोपवेशन के मुहूर्त-विचार	१५३
अनप्राशन, कर्णवेद तथा मुण्डन संस्कार का विचार	१५३
नासिकाछेदन, अक्षरारम्भ	१५५
विद्यारम्भमुहूर्त का विचार	१५५
उपनयन, विवाह-संस्कार का विचार	१५६
वर-कन्या का जन्मपत्रिका मेलापक, दुष्टभकूट, गणकूट, ग्रहकूट का परिहार	१५७
नाड़ी-गणदोष का परिहार, वरवरण, कन्या-वरण का मुहूर्त एवं विवाह मुहूर्तोंपयोगी त्रिवलशुद्धि	१५८
वधूप्रवेश तथा द्विरागमन-मुहूर्त का विचार	१५९
जन्माक्षर-चक्र	१६०-१६२
मेलापक-सारिणी	१६३-१६६
मंगलीदोष-विचार, मंगलीदोष-परिहार	१६७
विवाहादि कार्यों में सूर्य, चन्द्र व गुरु का अष्टक-वर्ग, यात्रा मुहूर्त विचार	१६८

♦ विक्रम संवत् २०८० चत्रों की

चन्द्रवास, योगिनीवास, दिक्षूल, नक्षत्र-शूल,	८८
लग्न-विचार व यात्रा प्रस्थान-विचार	१६९-१७१
राहुमुखज्ञान, गृहारम्भ विचार,	
चौघड़िया मुहूर्त-चक्र	१७०-१७१
चैत्रादि मासानुसार गृहारम्भ फल, वत्स-चक्र, कुआं खोदने या नल लगाने का मुहूर्त	१७२
द्वारस्थापन विचार, जीर्ण-नूतन गृह प्रवेश-	
मुहूर्त, कुम्भ-चक्र व दूकान (विपणि) मुहूर्त	१७३
व्यापार प्रारम्भ, नौकरी, मुकदमा, मशीनरी, पशुक्रय, मन्दिर निर्माण व जलाशयारामसुरप्रतिष्ठा	
मुहूर्त, जपनीय- चुल्लिचक्र विचार, हल प्रवहण	
मुहूर्त, बीजवपन मुहूर्त, राहु नक्षत्र से बीजोप्ति चक्र, ग्रहों के दान समय, जपसंख्या, औषधसेवन मुहूर्त,	
वाहन आरोहण मुहूर्त	१७४-१७५
मन्त्र एवं हवन-समिधा ज्ञानार्थ-चक्र	१७६
भारत के प्रमुख नगरों के पलभा, अक्षांश, रेखांश एवं देशान्तर	१७७-१७८
लग्नसाधन के लिए पलभा से चरखण्ड तथा स्वदेशीय उदयमान बनाने की विधि	
लघुरित्य सारिणी	१७९-१८०
अभीष्ट स्थान के सूर्योदय तथा इष्टकाल बनाने की विधि	
विभिन्न अंगों पर पल्ली (छिपकली/किरल)	१८१-१८२
गिरने का फल एवं उपचार, छींक विचार	१८३
जन्मकुण्डली एवं वर्ष कुण्डली में द्वादशभावस्थसूर्यादि ग्रहों का फल	
	१८४

